

२०/१/१९

सुनील

प्राणी व वकील प्राणी की और से प्रार्थना पत्र
मिसत्र तमकी एवं अस्वादि निवेद्यासा शठ पत्र
विज्ञा करने पेश होने पर पत्रावली तमब होकर
पेश हुयी। वकील प्राणी को सुना गया। प्राणी
T.। शठ पत्र को चलाना नहीं चाहता है। विज्ञा
करना चाहता है। अतः प्राणी का शठपत्र
वास्तव विज्ञा करने सीधा किया जाकर प्राणी
का प्रार्थना पत्र अस्वादि निवेद्यासा रवारीज
किया जाता है। पत्रावली के सब शुमार होकर
नम्बर से कम होकर मूल वाड के समान ही
निर्णय से इजलास सुनाया गया।

(अजु शर्मा)
सहायक कलेक्टर
फास्ट ट्रेक नीमकाथाना